

भाजपा सत्ता का कर रही दुरुपयोग, संवैधानिक संस्थाएं हो रहीं कमज़ोर : अखिलेश यादव

कैनविज टाइम्स संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा का दुष्प्रचार जारी है। चारों तरफ लटकी हुई है। भाजपा ने सत्ता का जमकर दुरुपयोग किया है, ऐसा तो किसी सरकार में नहीं हुआ। संवैधानिक संस्थाओं को कमज़ोर किया जा रहा है। लोकतंत्र पर हमारी जारी है। समाजवादी पार्टी लोकतंत्र और संविधान को बचाने की बड़ी जिम्मेदारी निभाने के लिए संकल्पित है। 2024 के लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी सावधानी और पूरी सर्करी से पीड़ीए इंडिया गठबंधन मिलकर भाजपा को सत्ता से हटाने का काम करेगी।

अखिलेश यादव ने बुधवार को पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में डॉ. रामपालोह लोहिया सोमागार में विभिन्न जनपदों से आये प्रमुख पार्टी पदवाकरियों की बैठक को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सपा कार्यकर्ता घर-घर बेरोजगार बैठे हैं। सात हजार शिक्षामित्र जन गवां चुके हैं।

अखिलेश ने कहा कि महाराष्ट्र, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार ने देश को कमज़ोर कर दिया है। अर्थव्यवस्था चौपट है। जनता का हर वर्ग असंतुष्ट है। विषप्ती कार्यकर्ताओं विशेषकर समाजवादी पार्टी के निर्देश कार्यकर्ताओं घर-घर जाकर भाजपा के झुटे वारों और काले कारणामों की सच्चाई से अवगत करने में कोई कसर



नहीं छोड़ेंगे। भाजपा के झूठ की जानकारी बहु बूथ स्तर तक समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता देंगे। कार्यकर्ता अनुशासित रहकर हर बूथ पर मुस्तैदी से भाजपा को हराने का काम करेंगे।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि महाराष्ट्र, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार ने देश को कमज़ोर कर दिया है। अर्थव्यवस्था चौपट है। जनता का हर वर्ग असंतुष्ट है। विषप्ती कार्यकर्ताओं विशेषकर समाजवादी पार्टी के निर्देश कार्यकर्ताओं को झुटे मुकदमों में फँसाकर उनका हर तरह से उत्तीर्ण किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री के आगमन से पूर्व केशव प्रसाद मौर्य ने अयोध्या की संभाली कमान

एंजेसी

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य प्रधानमंत्री ने जून के 30 दिसंबर को प्रस्तावित अयोध्या आगमन से पूर्व अयोध्या धाम को चमकाने में जुट गए हैं। प्रधानमंत्री द्वारा कोई एतिहासिक बाने के लिए उप मुख्यमंत्री के गोतखारों की मदद से नहीं झूले देश की खोजीनी की, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चला। अनाधिकार्य ने बताया कि दिनेश का शब बुधवार की सुबह नहीं से बरामद कर लिया गया। मुख्यमंत्री ने एक बड़ी जिम्मेदारी की जाएगी। पति के लाश को देखकर पती रुपी, बच्चे और भाई मदवाला, रतन सिंह, मुकेश और लोकश रो-रोकर हाल बेहाल है।

उन्होंने 25

लाइन सेवा, प्रसूताओं को अस्पताल लाने ले जाने के लिए 102 एक्युलेंस और सड़क दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में दो महिलाओं की मौत हो गयी। जबकि आठ लोग घायल बताए गये हैं। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची खेकड़ा पुलिस ने एक्युलेंस से सभी घायलों को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। जिला सरकार से जनहित की किसी भी योजना की उम्मीद करना व्यर्थ है।

इस अवसर पर कार्यकर्ताओं ने कहा

कि अखिलेश यादव पर देश को बहुत भरोसा है। हर नौजवान उनके नेतृत्व में चलने को तत्पर है। जनता इस बार समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व और पीड़ीए-इंडिया गठबंधन के साथ मिलकर भाजपा को सत्ता से हटाने का काम करेगे।

सपा अध्यक्ष ने कहा कि महाराष्ट्र, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार ने देश को कमज़ोर कर दिया है। अर्थव्यवस्था चौपट है। जनता का हर वर्ग असंतुष्ट है। विषप्ती कार्यकर्ताओं विशेषकर समाजवादी पार्टी के निर्देश कार्यकर्ताओं घर-घर बेरोजगार बैठे हैं। सात हजार शिक्षामित्र जन गवां चुके हैं।

अखिलेश ने कहा कि उत्तर प्रदेश में जो कुछ भी विकास दिख रहा है वह सब सामाजिक रूप से विकास दिख रहा है। जिसने को बालत खाराब है। आरंभिक सुल्तान विधायक, जीवन खां पूर्व विधायक, वीरन्द्र सिंह सोलांकी पूर्व विधायक, देवेश शाक्य आदि प्रमुख नेता उपस्थित हैं।

प्रधानमंत्री घर-घर बेरोजगार को झुटे मुकदमों में फँसाकर उनका हर तरह से उत्तीर्ण किया जा रहा है।

अखिलेश ने कहा कि महाराष्ट्र, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार ने देश को कमज़ोर कर दिया है। अर्थव्यवस्था चौपट है। जनता का हर वर्ग असंतुष्ट है। विषप्ती कार्यकर्ताओं विशेषकर समाजवादी पार्टी के निर्देश कार्यकर्ताओं घर-घर बेरोजगार बैठे हैं। सात हजार शिक्षामित्र जन गवां चुके हैं।

अखिलेश ने कहा कि महाराष्ट्र, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार ने देश को कमज़ोर कर दिया है। अर्थव्यवस्था चौपट है। जनता का हर वर्ग असंतुष्ट है। विषप्ती कार्यकर्ताओं विशेषकर समाजवादी पार्टी के निर्देश कार्यकर्ताओं घर-घर बेरोजगार बैठे हैं। सात हजार शिक्षामित्र जन गवां चुके हैं।

अखिलेश ने कहा कि महाराष्ट्र, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार ने देश को कमज़ोर कर दिया है। अर्थव्यवस्था चौपट है। जनता का हर वर्ग असंतुष्ट है। विषप्ती कार्यकर्ताओं विशेषकर समाजवादी पार्टी के निर्देश कार्यकर्ताओं घर-घर बेरोजगार बैठे हैं। सात हजार शिक्षामित्र जन गवां चुके हैं।

अखिलेश ने कहा कि महाराष्ट्र, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार ने देश को कमज़ोर कर दिया है। अर्थव्यवस्था चौपट है। जनता का हर वर्ग असंतुष्ट है। विषप्ती कार्यकर्ताओं विशेषकर समाजवादी पार्टी के निर्देश कार्यकर्ताओं घर-घर बेरोजगार बैठे हैं। सात हजार शिक्षामित्र जन गवां चुके हैं।

अखिलेश ने कहा कि महाराष्ट्र, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार ने देश को कमज़ोर कर दिया है। अर्थव्यवस्था चौपट है। जनता का हर वर्ग असंतुष्ट है। विषप्ती कार्यकर्ताओं विशेषकर समाजवादी पार्टी के निर्देश कार्यकर्ताओं घर-घर बेरोजगार बैठे हैं। सात हजार शिक्षामित्र जन गवां चुके हैं।

अखिलेश ने कहा कि महाराष्ट्र, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार ने देश को कमज़ोर कर दिया है। अर्थव्यवस्था चौपट है। जनता का हर वर्ग असंतुष्ट है। विषप्ती कार्यकर्ताओं विशेषकर समाजवादी पार्टी के निर्देश कार्यकर्ताओं घर-घर बेरोजगार बैठे हैं। सात हजार शिक्षामित्र जन गवां चुके हैं।

अखिलेश ने कहा कि महाराष्ट्र, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार ने देश को कमज़ोर कर दिया है। अर्थव्यवस्था चौपट है। जनता का हर वर्ग असंतुष्ट है। विषप्ती कार्यकर्ताओं विशेषकर समाजवादी पार्टी के निर्देश कार्यकर्ताओं घर-घर बेरोजगार बैठे हैं। सात हजार शिक्षामित्र जन गवां चुके हैं।

अखिलेश ने कहा कि महाराष्ट्र, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार ने देश को कमज़ोर कर दिया है। अर्थव्यवस्था चौपट है। जनता का हर वर्ग असंतुष्ट है। विषप्ती कार्यकर्ताओं विशेषकर समाजवादी पार्टी के निर्देश कार्यकर्ताओं घर-घर बेरोजगार बैठे हैं। सात हजार शिक्षामित्र जन गवां चुके हैं।

अखिलेश ने कहा कि महाराष्ट्र, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार ने देश को कमज़ोर कर दिया है। अर्थव्यवस्था चौपट है। जनता का हर वर्ग असंतुष्ट है। विषप्ती कार्यकर्ताओं विशेषकर समाजवादी पार्टी के निर्देश कार्यकर्ताओं घर-घर बेरोजगार बैठे हैं। सात हजार शिक्षामित्र जन गवां चुके हैं।

अखिलेश ने कहा कि महाराष्ट्र, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार ने देश को कमज़ोर कर दिया है। अर्थव्यवस्था चौपट है। जनता का हर वर्ग असंतुष्ट है। विषप्ती कार्यकर्ताओं विशेषकर समाजवादी पार्टी के निर्देश कार्यकर्ताओं घर-घर बेरोजगार बैठे हैं। सात हजार शिक्षामित्र जन गवां चुके हैं।

अखिलेश ने कहा कि महाराष्ट्र, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार ने देश को कमज़ोर कर दिया है। अर्थव्यवस्था चौपट है। जनता का हर वर्ग असंतुष्ट है। विषप्ती कार्यकर्ताओं विशेषकर समाजवादी पार्टी के निर्देश कार्यकर्ताओं घर-घर बेरोजगार बैठे हैं। सात हजार शिक्षामित्र जन गवां चुके हैं।

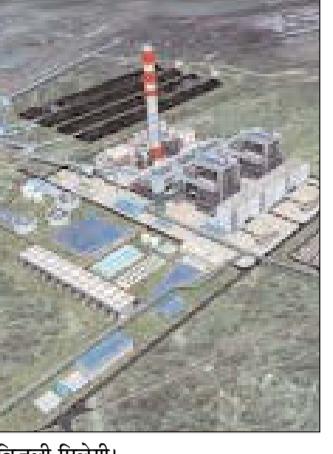
अखिलेश ने कहा कि महाराष्ट्र, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार ने देश को कमज़ोर कर दिया है। अर्थव्यवस्था चौपट है। जनता का हर वर्ग असंतुष्ट है। विषप्ती कार्यकर्ताओं विशेषकर समाजवादी पार्टी के निर्देश कार्यकर्ताओं घर-घर बेरोजगार बैठे हैं। सात हजार शिक्षामित्र जन गवां चुके हैं।

अखिलेश ने कहा कि महाराष्ट्र, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार ने देश को कमज़ोर कर दिया है। अर्थव्यवस्था चौपट है। जनता का हर वर्ग असंतुष्ट है। विषप्ती कार्यकर्ताओं विशेषकर समाजवादी पार्टी के निर्देश कार्यकर्ताओं घर-घर बेरोजगार बैठे हैं। सात हजार शिक्षामित्र जन गवां चुके हैं।

अखिलेश ने कहा कि महाराष्ट्र, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार ने देश को कमज़ोर कर दिया है

ओबरा-सी पावर प्लांट की पहली यूनिट से विद्युत उत्पादन शुरू, ऊर्जा मंत्री ने दी बधाई

कैनविज टाइम्स संवाददाता



लखनऊ। उत्तर प्रदेश ने विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल किया है। ओबरा-सी 2660 मेगावाट पावर प्लांट की पहली यूनिट से मंगलवार को अपराह्न 2.30 बजे पूर्ण क्षमता से विद्युत का उत्पादन शुरू हो गया है। इस प्लांट के पूर्ण रूप से चालू होने से उत्तर प्रदेश की कुल विद्युत उत्पादन क्षमता 2024 तक 40 प्रतिशत की ओर उड़ेगी।

प्रदेश के ऊर्जा मंत्री एक समय ने पावर प्लांट के पूरी क्षमता से चालू होने पर ऊर्जा क्षेत्र के सभी कार्यक्रमों को बढ़ावा दी है तथा इस सफलता के लिए प्रधानमंत्री एवं सूखायांत्री का आभास व्यक्त किया है। उहोंने कहा कि प्रधानमंत्री के विजय को योगी सरकार प्रदेश को ऊर्जा के क्षेत्र में अत्यन्तिम पर्यावार कानकर सकार करेंगी। उहोंने कहा कि जल्द ही प्रदेश अपने दोगुना विद्युत उत्पादन के लक्ष्य को पूरा कर लेगा। जल्द ही तापीय और सोलर ऊर्जा के माध्यम से प्रदेश के लोगों को भव्यरूप और निर्बाध

होगा। उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन ने इस प्लांट से उत्पादित विद्युत का 100 प्रतिशत विद्युत क्रय हेतु अनुबंध किया हुआ है।

उहोंने बताया कि ओबरा-सी 660 मेगावाट की प्रथम यूनिट से विद्युत का कामर्शयल उत्पादन भी शीघ्र ही शुरू हो जायगा। पावर प्लांट का उद्घाटन के बाद लोगों के उपभोग के लिए विद्युत आपूर्ति शुरू हो जाएगी।

मंत्री ने बताया कि एटा की जवाहरपुर पावर प्लांट की प्रथम यूनिट से भी 660 मेगावाट विद्युत उत्पादन शीघ्र ही शुरू हो जायेगा। साथ ही जवाहरपुर की 660 मेगावाट की दूसरी यूनिट से भी फरवरी, 2024 तक मैं विद्युत के उत्पादन की शुरूआत हो जायेगी। इस प्रकार प्रदेश को कुल 1920 मेगावाट क्षमता की विद्युत और मिलने लोगों। अभी ओबरा-सी की दूसरी यूनिट, पनकी, और ओबरा-डी आना बाकी है। ऊर्जा मंत्री ने बताया कि इसके साथ ही ओबरा-डी की 2800 मेगावाट के दो पावर प्लांट लगाने का अनुबंध एनटीपीसी के साथ हो चुका है।

उहोंने बताया कि इसी प्रकार सौर ऊर्जा से भी 7000 मेगावाट विद्युत उत्पादन के लक्ष्य को पूरा किया जा रहा है। रूफटाप सोलर को भी सरकार बढ़ावा दे रही। सोर ऊर्जा को दिन में स्टोर करने के लिए पम्प स्टोरेज प्रोजेक्ट साइन किये गये हैं। इससे 12 हजार मेगावाट क्षमता के पम्प स्टोरेज लगाये जा सकेंगे।

उहोंने बताया कि इसी प्रकार सौर ऊर्जा उत्पादन की विद्युत और योगी सरकार प्रदेश को ऊर्जा के क्षेत्र में अत्यन्तिम पर्यावार कानकर सकार करेंगी। उहोंने कहा कि जल्द ही प्रदेश अपने दोगुना विद्युत उत्पादन के लक्ष्य को पूरा कर लेगा। जल्द ही तापीय और सोलर ऊर्जा के माध्यम से प्रदेश के लोगों को भव्यरूप और निर्बाध

आगमन उत्सव उमंग कार्यक्रम का आयोजन

कैनविज टाइम्स संवाददाता



लखनऊ। साहित्यिक संस्था 'आगमन' के संस्थापक दिवंगत पवन जैन को अद्वैत जिले देकर 11वाँ स्थापना दिवस मनाया गया। बुद्ध रिसर्च इंस्टीट्यूट और डिटोरियम में संस्था के देश में ही नहीं, दिवेस से आए आजीवन संस्थाएं ने संतरणी प्रतिवाप के रंग बिखेरे।

दो सप्ताह में 8 घटों तक चले इस साहित्यिक आयोजन में, देश के 20 राज्यों से 150 से भी अधिक साहित्यिकरणों ने अपनी हिस्सेदारी निभाई। कार्यक्रम की शुरुआत कुलदीप कौर द्वारा की गई। कार्यक्रम के प्रथम सत्र का संचालन, शिरा खरे और मनीषा जोशी ने बहुत ही रोचक अंदाज में किया। शीप-प्रज्ज्वलन के उपरांत गिनी शुहराल ने अपनी नृत्य प्रस्तुति से सबका मन धक्का दिया। कार्यक्रम की शुरुआत कुलदीप कौर द्वारा की गई। कार्यक्रम के प्रथम सत्र का संचालन, शिरा खरे और मनीषा जोशी ने बहुत ही रोचक अंदाज में किया। शीप-प्रज्ज्वलन के उपरांत गिनी शुहराल ने अपनी नृत्य प्रस्तुति से सबका मन धक्का दिया। कार्यक्रम की शुरुआत कुलदीप कौर द्वारा की गई।

दूसरे सत्र का संयुक्त सञ्चालन अनुराधा पाण्डे यह एवं अधिकारी योगी ने किया गया। द्वितीय सत्र के मुख्य अतिथि यदुनाथ रिंग मुरारी एवं अध्यक्ष डॉं अर्वद रुपये की लागत से विद्युत उत्पादन शुरू हो जायेगा। कविता मल्होत्रा के वास्तव टीम द्वारा नाटक लङ्घनके चेकड़ की प्रस्तुति शानदार ही और साथ ही रशिका भर्मीन द्वारा बेहद खूबसूरत नृत्य प्रस्तुति किया गया। पंकज सिंह चावला द्वारा स्मृतिशेष पवन जैन को समर्पित एक डॉक्यूमेंट्री प्रस्तुत की गई। इसके बाद आजीवन संस्थाओं की साझा-संकलन 'अनन्या' का विमोचन किया गया।

द्वासरे सत्र का संयुक्त सञ्चालन अनुराधा पाण्डे यह एवं अधिकारी योगी ने किया गया। द्वितीय सत्र के मुख्य अतिथि यदुनाथ रिंग मुरारी एवं अध्यक्ष डॉं अर्वद रुपये की लागत से विद्युत उत्पादन शुरू हो जायेगा। कविता मल्होत्रा के वास्तव टीम द्वारा नाटक लङ्घनके चेकड़ की प्रस्तुति शानदार ही और साथ ही रशिका भर्मीन द्वारा बेहद खूबसूरत नृत्य प्रस्तुति किया गया। पंकज सिंह चावला द्वारा स्मृतिशेष पवन जैन को समर्पित एक डॉक्यूमेंट्री प्रस्तुत की गई। इसके बाद आजीवन संस्थाओं की साझा-संकलन 'अनन्या' का विमोचन किया गया।

दूसरे सत्र का संयुक्त सञ्चालन अनुराधा पाण्डे यह एवं अधिकारी योगी ने किया गया। द्वितीय सत्र के मुख्य अतिथि यदुनाथ रिंग मुरारी एवं अध्यक्ष डॉं अर्वद रुपये की लागत से विद्युत उत्पादन शुरू हो जायेगा। कविता मल्होत्रा के वास्तव टीम द्वारा नाटक लङ्घनके चेकड़ की प्रस्तुति शानदार ही और साथ ही रशिका भर्मीन द्वारा बेहद खूबसूरत नृत्य प्रस्तुति किया गया। पंकज सिंह चावला द्वारा स्मृतिशेष पवन जैन को समर्पित एक डॉक्यूमेंट्री प्रस्तुत की गई। इसके बाद आजीवन संस्थाओं की साझा-संकलन 'अनन्या' का विमोचन किया गया।

दूसरे सत्र का संयुक्त सञ्चालन अनुराधा पाण्डे यह एवं अधिकारी योगी ने किया गया। द्वितीय सत्र के मुख्य अतिथि यदुनाथ रिंग मुरारी एवं अध्यक्ष डॉं अर्वद रुपये की लागत से विद्युत उत्पादन शुरू हो जायेगा। कविता मल्होत्रा के वास्तव टीम द्वारा नाटक लङ्घनके चेकड़ की प्रस्तुति शानदार ही और साथ ही रशिका भर्मीन द्वारा बेहद खूबसूरत नृत्य प्रस्तुति किया गया। पंकज सिंह चावला द्वारा स्मृतिशेष पवन जैन को समर्पित एक डॉक्यूमेंट्री प्रस्तुत की गई। इसके बाद आजीवन संस्थाओं की साझा-संकलन 'अनन्या' का विमोचन किया गया।

दूसरे सत्र का संयुक्त सञ्चालन अनुराधा पाण्डे यह एवं अधिकारी योगी ने किया गया। द्वितीय सत्र के मुख्य अतिथि यदुनाथ रिंग मुरारी एवं अध्यक्ष डॉं अर्वद रुपये की लागत से विद्युत उत्पादन शुरू हो जायेगा। कविता मल्होत्रा के वास्तव टीम द्वारा नाटक लङ्घनके चेकड़ की प्रस्तुति शानदार ही और साथ ही रशिका भर्मीन द्वारा बेहद खूबसूरत नृत्य प्रस्तुति किया गया। पंकज सिंह चावला द्वारा स्मृतिशेष पवन जैन को समर्पित एक डॉक्यूमेंट्री प्रस्तुत की गई। इसके बाद आजीवन संस्थाओं की साझा-संकलन 'अनन्या' का विमोचन किया गया।

दूसरे सत्र का संयुक्त सञ्चालन अनुराधा पाण्डे यह एवं अधिकारी योगी ने किया गया। द्वितीय सत्र के मुख्य अतिथि यदुनाथ रिंग मुरारी एवं अध्यक्ष डॉं अर्वद रुपये की लागत से विद्युत उत्पादन शुरू हो जायेगा। कविता मल्होत्रा के वास्तव टीम द्वारा नाटक लङ्घनके चेकड़ की प्रस्तुति शानदार ही और साथ ही रशिका भर्मीन द्वारा बेहद खूबसूरत नृत्य प्रस्तुति किया गया। पंकज सिंह चावला द्वारा स्मृतिशेष पवन जैन को समर्पित एक डॉक्यूमेंट्री प्रस्तुत की गई। इसके बाद आजीवन संस्थाओं की साझा-संकलन 'अनन्या' का विमोचन किया गया।

दूसरे सत्र का संयुक्त सञ्चालन अनुराधा पाण्डे यह एवं अधिकारी योगी ने किया गया। द्वितीय सत्र के मुख्य अतिथि यदुनाथ रिंग मुरारी एवं अध्यक्ष डॉं अर्वद रुपये की लागत से विद्युत उत्पादन शुरू हो जायेगा। कविता मल्होत्रा के वास्तव टीम द्वारा नाटक लङ्घनके चेकड़ की प्रस्तुति शानदार ही और साथ ही रशिका भर्मीन द्वारा बेहद खूबसूरत नृत्य प्रस्तुति किया गया। पंकज सिंह चावला द्वारा स्मृतिशेष पवन जैन को समर्पित एक डॉक्यूमेंट्री प्रस्तुत की गई। इसके बाद आजीवन संस्थाओं की साझा-संकलन 'अनन्या' का विमोचन किया गया।

दूसरे सत्र का संयुक्त सञ्चालन अनुराधा पाण्डे यह एवं अधिकारी योगी ने किया गया। द्वितीय सत्र के मुख्य अतिथि यदुनाथ रिंग मुरारी एवं अध्यक्ष डॉं अर्वद रुपये की लागत से विद्युत उत्पादन शुरू हो जायेगा। कविता मल्होत्रा के वास्तव टीम द्वारा नाटक लङ्घनके चेकड़ की प्रस्तुति शानदार ही और साथ ही रशिका भर्मीन द्वारा बेहद खूबसूरत नृत्य प्रस्तुति किया गया। पंकज सिंह चावला द्वारा स्मृतिशेष पवन जैन को समर्पित एक डॉक्यूमेंट्री प्रस्तुत की गई। इसके बाद आजीवन संस्थाओं की साझा-संकलन 'अनन्या' का विमोचन किया गया।

दूसरे सत्र का संयुक्त सञ्चालन अनुराधा पाण्डे यह एवं अधिकारी योगी ने किया गया। द्वितीय सत्र के मुख्य अतिथि य

विवादित बयान पर फूंका प्रसाद का पुतला

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। जन सरोकार समिति व सत्य क्रांति पार्टी के बैनर तले बीते दिन हिंदू धर्म के आपत्तिजनक शब्दों के इस्तेमाल करने के विरोध में जिला कलेक्टरट सुलतानपुर में सामाजिक वारी पार्टी के नेता स्वामी प्रसाद मौर्य का पुतला दहन कर सामाजिक प्रसाद मौर्य मुद्रित बदन नरे लगाए गए। कार्यक्रम का नेतृत्व जन सरोकार समिति के अध्यक्ष सौरभ मिश्र विनम्र ने किया। इस मौके पर उपस्थित जन सरोकार समिति के समिति अध्यक्ष सौरभ मिश्र विनम्र ने कहा सपा के राष्ट्रीय महाराज्यव व्यापी प्रसाद मौर्य ने पहले रामचरितमानस को लेकर विवादित बयान दिया,



फिर अयोध्या के राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा को दिए बयान पर भी सियासी बोखा बता दिया। हाल ही में दिवाली के समय भी स्वामी प्रसाद के माता लक्ष्मी को लेकर

रहे हैं समजावादी पार्टी को चाहिए दो कौड़ी के नेता को पार्टी से बाहर निकल देना चाहिए। देवी देवताओं पर अभद्र टिप्पणी करने वाले ऐसे

नेता के लिए कानूनी कार्रवाई के लिए हम संघर्ष करते रहेंगे। इस भौके पर उपस्थित सत्य क्रांति में अयोध्या मंडल अध्यक्ष आकाश सिंह ने कहा कि स्वामी प्रसाद मौर्य अक्सर हिंदू और सनातन विरोधी व्यापी से विवादों में घिरे रहते हैं। एक बार फिर सामाजिक प्रसाद मौर्य ने हिंदू धर्म के खिलाफ जहर उगला है। जो बिल्कुल बर्दशत नहीं है।

जिसके विरोध में आज स्वामी प्रसाद मौर्य का पुतला दहन किया गया। इस मौके पर उपस्थित ब्रजेश मिश्र, अजय वर्मा, विकास मिश्र, संतोष कुमार गुप्ता, जियालाल कोरी अंजीत कुमार गोतम अंकुर सिंह दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

लाभांश बढ़ाए जाने को लेकर कोटेदार परेशन, वितरण कार्य से रहेंगे विरत

कैनविज टाइम्स संवाददाता

सुलतानपुर। सीएम योगी ने निर्देश दिए, राशन वितरण में यदि कहीं कोटेदार अथवा अन्य किसी कार्मिक द्वारा गडबडी की जाती है तो ऐसे लोगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए। इसी समय सुलतानपुर में ३०८ इडियो फ्रेशर प्राइस शाप डॉकेट्स फेंडरशन उत्तर प्रदेश के बैनर तले कोटेदारों ने मार्ग उठा दी, हमें जो लाभांश दिया जा रहा है, उससे इस महांगार में भरण पोषण नहीं हो पा रहा है। उचित दर विकेताओं का आरोप है कि हम लोगों को ९० रुपय प्रति कुंतल लाभांश दिया जा रहा है। जबकि हरियाणा, गोपा, केरल आदि प्रदेशों में २०० रुपय प्रति कुंतल लाभांश दिया जा रहा है। महाराष्ट्र में १५० रुपय तो राजस्थान में १२५ रुपय प्रति कुंतल लाभांश मिल रहा है। जबकि गुजरात में २० जहार रुपय प्रतिमाह मानदेश दिया जा रहा है। कोरोना काल से ही उचित दर विकेता ने जिला इकाई के उचित दर विकेता की विकेता ने श्री काशी विश्वनाथ दरबार में टेका मरता

वाराणसी। काशी तमिल संगमम-२ में भाग लेने आए तमिल लेखकों के समूह (सिंधु) ने दुधार को श्री काशी विश्वनाथ दरबार में हाजिरी लगाई। मंदिर परिसर में तमिल लेखकों का पृष्ठ वर्ष और मंत्रोच्चार के बीच भय स्वागत किया गया। सभी ने बाबा के पावन ज्योतिर्लिंग पर जल आर्पण किया और शंकराचार्य चौक परिसर में इकट्ठा हो गए। इसके बाद तमिल दल ने लोक नृत्य और गीतों के माध्यम से बाबा की स्तुति की। मंदिर में पुजारियों ने उचित मंदिर के इकट्ठास एवं सुख सुविधाओं के बारे में विस्तार से जानकारी दी। लेखकों का समूह (सिंधु) मंदिर की भवत्ता को देख काफी प्रसन्न दिखा। सभी ने अन्नपूर्णा रसोई का प्रसाद ग्रहण किया।

प्रौद्योगिकी के साथ नया आकार लेता वित्तीय क्षेत्र

विकासत दशा में श्रामिकों का भाग कमा के बाच खता, निर्माण और विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में काम करने के बास्ते भारतीय कामगारों को विदेश भेजने के लिए विकसित देशों के साथ द्विपक्षीय समझौते करने का भारत सरकार का इशारा है। यूनान ने भारत से संपर्क किया है कि वह कुछ क्षेत्रों में काम करने वाले लगभग 10,000 कामगारों को उसके यहाँ भेजे। टल्टी भी अपने विभिन्न शहरों के नगर निकायों में काम करने के लिए लोगों की तलाश में है। भारत पहले ही 40,000 से अधिक श्रमिकों को इजरायल भेजने के लिए समझौते पर हस्ताक्षर कर चुका है और इस समझौते को विस्तार दिया जा सकता है। हमास के साथ युद्ध शुरू होने से पहले इजरायल में लगभग 18,000 भारतीय श्रमिक काम कर रहे थे जो युद्धतौर पर मरीजों की देखभाल के काम से जुड़े थे। हालांकि, वहाँ युद्ध तारीह है, ऐसे में इजरायल पहले से काम करने वाले लगभग 90,000 फैलिस्तीनियों की जगह दूसरी जगहों के कामगारों की भर्ती करना चाहता है। सरकार की इस पहल का स्वागत कई कारणों से अवश्य किया जाना चाहिए। भारत में कुशल और मेहनती कामगारों की तादाद बहुत ज्यादा है। कई वर्षों से संगठित और अनौपचारिक तरीके से ये कामगार कई देशों में नाते रहे हैं और इसका अंदाजा विदेश से भारत भेजी जाने वाली राशि से बनेता है। भारत भी अपने व्यापारिक सञ्जोदार देशों के साथ किए जाने वाले विभिन्न समझौतों में भी कामगारों की आवाजाही की वकालत करता है। विकसित देशों की समस्या यह है कि इनकी आबादी में बुजुर्गों की संख्या बढ़ती जा रही है। ऐसे में उन्हें काम करने के लिए बाहर के श्रमिकों की जरूरत बढ़ने लगी है। भारत के लिए यह एक सुनहरा मौका है क्योंकि भारत कामगारों की कमी की भरपाई करने में सक्षम हो सकता है। हालांकि कामगारों को विदेश भेजने पर एक चिंता जरूर हो सकती है कि इससे देश में कहीं श्रमिकों की कमी हो जाए लेकिन फिलहाल विकसित देशों की मांग अस्थायी ही लग रही है। कामगारों के विदेश जाने का एक फायदा यह है कि वे अंतर्राष्ट्रीय स्तर के तजुब्बे के साथ देश व्यापास आएंगे। विकसित देशों में मजदूरी की दर ज्यादा है, ऐसे में वे अपने व्यवचत के पैसों से भारत में घर या जमीन जैसी संपत्ति में निवेश कर सकते हैं। यह भी संभव है कि कुछ लोग वहीं बसना चाहेंगे। भारत में कुशल कामगारों की बड़ी तादाद को देखते हुए ऐसे आसार नहीं दिखते हैं कि देश में श्रमिकों की कमी होगी। इस संदर्भ में भी भारत को हर हाल में अलग-अलग क्षेत्रों में लोगों को कौशल परीक्षण देने और इसका बेहतर बाहौल बनाने की जरूरत है। विदेश में श्रमिकों को भेजने की पहल अच्छी है लेकिन नीतिगत नजरिये से भी यह समझना जरूरी है कि इससे भारत की बेरोजगारी या कम रोजगार की समस्या का समाधान नहीं हो सकता है। यह एक तरह से भारतीय अर्थव्यवस्था की अच्छे वेतन वाली पर्याप्त व्यक्तियों सृजित न कर पाने की कमजोरी का हल भी नहीं है। उदाहरण के तौर पर ताजा वार्षिक आवार्थिक श्रमबल सर्वेक्षण के अनुसार, कुल श्रमबल के 57 फीसदी लोग से अधिक स्ब-रोजगार से जुड़े हैं। इसे उद्यमशीलता का सूचक नहीं माना जा सकता है क्योंकि ये ऐसे लोग हैं जो अपनी आर्जीविका के लिए किसी तरह की आर्थिक गतिविधि से जुड़ते हैं। क्योंकि कोई काम न करने का विकल्प उनके पास नहीं है। भारत का कामगारों पर नजर डालें तो चौंकाने वाली तस्वीर सामने आती है। कुल कामगारों में से 18 फीसदी से ज्यादा अपने छोटे-मोटे घेरलू कारोबार में विशेषी सहयोगी के तौर पर लगे हुए हैं जबकि 21 फीसदी से ज्यादा युद्ध को अस्थायी मजदूर मानते हैं। इस तरह से इन लोगों को लगातार बेरोजगारी की समस्या से जूझना पड़ता है। यह बात सभी स्वीकारते हैं कि भारत को अपनी बढ़ती आबादी के लिए रोजगार के बेहतर मौके बनाने की जरूरत है। अमीर देशों में श्रमिकों को भेजने से भारत की बेरोजगारी और कम रोजगार की समस्या का हल नहीं होगा। फिर भी, अभी जो मौके मिल रहे हैं उनका फायदा उठाना चाहिए क्योंकि दीर्घवार्थी में इससे देश को फायदा होगा। सरकार कामगारों को विदेश भेजने की पहल में काफी सक्रिय दिख ही है। कम से कम दो जरूरी बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए।

विकसित देशों में बैंकिंग व्यवस्था बदल रही है। सबसे पहले वहाँ फेनटेक क्रांति' आई। इसके पीछे विचार यह था कि पहले जो काम परांपरिक रूप से बैंकों द्वारा किए जाते थे उन्हें नई तरह की कंपनियों के द्वारा अंजाम दिया जाए। अब हमने देखा कि इलेक्ट्रॉनिक भुगतान के जरिये बैंकों की देनदारियों की स्थिरता का नुकसान हो रहा है। तीसरी समस्या इस भावना से जुड़ी है कि कहीं महत्वपूर्ण और विश्वसनीय तकनीक आधारित प्रभोक्तामुखी कंपनियाँ बैंकों का स्थान न ले पाएं। केंद्र नियोजित भारतीय त्रितीय बाजार ने ऐसी बातों को आमतौर पर दूर ही रखा है।

एम्स्टर्डम विश्वविद्यालय के महान विचारक अर्नो डब्ल्यू.ए. बूट ने हाल में उभरते बाजारों के सम्मेलन में आधुनिक समाज में बैंकों की जगह बैंकों वारे में अपनी बात रखी। उन्होंने जो विचार प्रकट किए वे इस बारे में बावाल पैदा करते हैं कि भारत में इसे लेकर क्या हो सकता है। अर्थशास्त्री टर्न मिलर ने बैंकिंग को 19वीं सदी का ऐसा उद्योग करार दिया था जो आपदा का शिकार हो सकता है। जब बैंकों का नए सिरे से पूँजीकरण करने के लिए करदाताओं के पैसे का इस्तेमाल किया जाता है तो इसे लेकर काफी बहुल हल्ला होता है। इन समस्याओं को हल करने की प्रक्रिया बहुत लंबी रही है। इसे लेकर विचारक दो खेमों में बंटे हुए हैं: एक तो वे जो मानते हैं कि बैंकिंग नियमन और नियंत्रण की भूमिका कम करने में निहित है। पहली थी 'फिनटेक क्रांति'। इसके पीछे विचार यह है कि जो कंपनियाँ बैंक नहीं हैं वे ऐसे काम कर सकती हैं जो पारंपरिक तौर पर बैंकों द्वारा किए जाते रहे हैं। उदाहरण के तौर पर यह व्यावहारिक है कि आधुनिक तकनीक की मदद से ऐसी कंपनियाँ तैयार की जाएं जो भुगतान करें, आवास ऋण या वाहन ऋण आदि दिला सकें। ये कंपनियाँ सीधे बॉन्ड बाजार में जा सकती हैं। वे या तो सीधे अपने बॉन्ड जारी कर सकती हैं या फिर प्रतिभूतिकरण कर सकती हैं।



जायकारा उनमानकर इन पर विकास करता है। इनाहे भाग कानपाको ग्राहकों के बारे में सूचनाओं पर काफी नियंत्रण होता है। फिनटेक क्रांति में जहां नई कंपनियाँ बैंकों के भीतर की जानकारी जुटाने का प्रयास कर रही हैं, वहीं नए प्रतिद्वंद्वियों के पास बैंकों की तुलना में ग्राहकों के बारे में अधिक जानकारी रहती है। भविष्य के वित्तीय क्षेत्र को लेकर समकालीन रणनीतिक समझ तो यही है। ऐसे लोग भी हैं जो मानते हैं कि बैंकिंग नियमन की बार-बार की नाकामी से निपटने के लिए बेहतर बैंक नियामक की जरूरत है। ऐसे भी लोग हैं जो बैंकों पर निर्भरता कम करके समाज का जोखिम कम करना चाहते हैं। फिनटेक क्रांति के जायि गैर बैंकिंग कंपनियों को आईटी की मदद से बैंक जैसे काम करने थे। उन्हें आदर्श तौर पर बैंकों के भीतर के आंकड़ों तक पहुंच बनानी थी और फिर इसे बॉन्ड बाजार से जोड़ना था। ग्राहकों की बढ़ती तादाद के कारण बैंकों की स्थिर जमा की मांग उन पर है जैसे हन् टूफ़ान न झांग बुझ देखा है। भारतीय बैंकों द्वारा लगभग वहीं है जहां 1960 के दशक के अंत में उन्नत अर्थव्यवस्थाएं थीं। वित्तीय सुधार में दशकों की कठिनाइयों के बाद यह उपभोक्ता ऋण के मामले में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है लेकिन कंपनियों को ऋण मुहैया कराने में विफल हो रहा है। फिनटेक क्रांति राज्य के दबाव से प्रभावित हुई, जिसके गैर-बैंकों को भुगतान प्रणाली और कई बैंक जैसी गतिविधियों से और बॉन्ड-मुद्रा-डेरिविटिव संबंध और प्रतिभूतिकरण की कठिनाइयों से अवरुद्ध कर दिया। कई प्रकार के संरक्षणवादी कदम विदेशी कंपनियों को भारत में काम करने से रोकते हैं। वित्तीय क्षेत्र में मौजूद नीतिगत रणनीति निवेश/जीडीपी अनुपात को जीडीपी वृद्धि दर में तब्दील करने की भारतीय वित की क्षमता को बाधित करती है।

1

उत्तर प्रदेश में गत सप्ताह योगी आदित्यनाथ के मंत्रिमंडल ने 2024-25 की आब्कारी नीति को मंजुरी प्रदान की। पहली बार

आदिति फडणीस

ने मतदाताओं के अनुकूल अन्य कई कदम उठाए हैं। सरकार अक्टूबर 2023 से मार्च 2024 तक दो तिमाहियों के दौरे

मेट्रो स्टेशनों तथा क्रूज शिप पर

सरकार न प्रवाइज युल्क का व्यवस्था का ह ताक वांश्विक ब्राउं उत्तर प्रदेश की स्थानीय डिस्ट्रिलरिज के साथ सहयोग कर सके और उनके बॉटलिंग संयंत्रों का इस्तेमाल कर सके ताकि बिना नई डिस्ट्रिलरी स्थापित करने के दबाव के आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।
बियर की दुकानों से सटे 100 वर्गमीटर के इलाके को परमिट रूप में विकसित किया जा सकेगा ताकि लोगों को बाहर सड़क

पर खड़े होकर न पीना पढ़े। इसके लिए सालाना 5,000 रुपये की राशि का भुगतान करना होगा। उत्तर प्रदेश में आम, जामुन, कटहल, अंगूर, लीची और अमरूद जैसे स्थानीय फलों की बाइन बनानी शुरू की जाएगी। एक स्थानीय कारोबारी संजय गुप्ता ने मुजफ्फरनगर में अपने गुप्ता रिजर्ट पर प्रदेश की पहली बाइन परियोजना शुरू की है। उनका कहना है, 'हमने अपना संयंत्र राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 58 पर स्थापित किया है और यहां रोजाना 155 लीटर बाइन बनाई जा सकेगी। यानी करीब 50,000 लीटर का सालाना उत्पादन।' परंतु इस नीति की आलोचना करने वाले भी मौजूद हैं। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आबकारी नीति को उदार बनाने की तीव्र आलोचना की। उन्होंने कहा, 'क्या उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार के पास प्रदेश को एक लाख

प्रधानमंत्री उज्ज्वला गैस सिलिंडर मुहैया लाभान्वित होंगे और बोझ आएगा। लाभान्वित होगा और बाद में तो सब्सिडी की राशि वापस प्रतिपक्ष अखिलेश यादव चुनौती से आमने-सकने कहा कि उनका नारा यह उतना भी आसान ने राज्य इकाई के शास्त्रमंत्री भी शामिल आदि जन प्रतिनिधित्व की जाए? उत्तर प्रदेश महासचिव ने कहा, राज्य के 30 फीसदी यह प्रतिपुष्टि मिलनी को प्रदेश की 80 लाख करना पड़ा था। उस थे। कंग्रेस ने रायबरेंद्र का अव्यवस्था बनाने का वह तराका शब्द है कि वह रेलवे और मेट्रो स्टेशनों तथा कूज शिप पर शाशब्द बेचे? इसका अर्थ तो यह हुआ कि करोड़ों रुपये के निवेश के तमाम दावे फर्जी हैं। यही वजह है कि सरकार ऐसे अनैतिक तरीकों से राजस्व कमाना चाह रही है।¹ अक्टूबर से अब तक उत्तर प्रदेश ने ऐसी कई अहम प्रशासनिक पहल की हैं जो दूरगामी प्रभाव वाले साक्षित हो सकते हैं। अगले दो वर्षों में प्रदेश में नौ नए हवाई अड्डे बनाने का काम भी शुरू हो चुका है। केंद्रीय नागरिक उद्यमन मंत्री ने गत सप्ताह लिक सभा में पूरक प्रश्नों का उत्तर देते हुए कहा कि बीते 65 वर्षों में उत्तर प्रदेश को तीन हवाई अड्डे मिले हैं और 2025-26 तक इनकी तादाद बढ़ाकर 18 होने की उम्मीद है। इनमें मेरठ में एक हवाई अड्डा भी प्रस्तावित है। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव 2026 में होने हैं। नवंबर में राज्य ने स्वीकार किया था कि अक्टूबर 2019 से दिसंबर 2022 के बीच प्रदेश में करीब 9,345 करोड़ रुपये का प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आया यानी देश में आए कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश का करीब 0.7 फीसदी। सरकार ने माना कि यह निवेश कम था और इसके साथ ही उसने ऐसी नीति घोषित की जिसमें विदेशी निवेशकों को जमीन अधिग्रहण, स्टांप शुल्क और पूंजी निवेश को लेकर रियायतें शामिल थीं। सरकार

प्रधानमंत्री उज्ज्वला याजना के लाभार्थियों का नियुक्त करवा
गैस सिलिंडर मुहैया कराएगी। इससे करीब 1.75 करोड़ परिवहन
लाभान्वित होंगे और राज्य सरकार पर 2,312 करोड़ रुपये व
बोझ आएगा। लाभार्थियों को बाजार दर पर सिलिंडर खरीदा
होगा और बाद में तेल कंपनी आधार प्रमाणित बैंक खाते
सभ्सदी की राशि वापस करेंगी। दिल्ली में एक बातचीत में नेतृ
प्रतिष्पक अखिलेश यादव ने कहा कि वह मौजूदा राजनीतिक
चुनौती से आमने-सामने की लड़ाई लड़ने को तैयार है। उन्होंने
कहा कि उनका नारा है: 80 हराओं, भाजपा हटाओं। परंतु शाय
यह उतना भी आसान न हो। नवंबर में भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व
ने राज्य इकाई के शीर्ष नेताओं की बैठक बुलाई। इनमें दो उम्मीदवार
मुख्यमंत्री भी शामिल थे। बैठक में यह चर्चा की गई कि सांसदों
आदि जन प्रतिनिधियों के काम पर लोगों की राय कैसे हासिल
की जाए? उत्तर प्रदेश से ताल्लुक रखने वाले एक भाजपा
महासचिव ने कहा, 'एक बार लोगों की राय मिल जाने के बाद
राज्य के 30 फीसदी मौजूदा सांसदों को बदला जा सकता है'
यह प्रतिपुष्टि मिलनी शीघ्र शुरू हो सकती है। 2019 में पाठ्य
को प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में से 15 में हार का सामना
करना पड़ा था। उस चुनाव में सपा और बसपा एक साथ ल
थे। कांग्रेस ने रायबरेली सीट पर जीत हासिल की थी।

दिल्ली मे प्रदृढ़

ओर अस्थमा को वजह, बरते ये सावधानया

व्यक्ति की आंते तक हिल जाती हैं। इसमें न सिर्फ पांव से लेकर सिर तक जोर लगाना पड़ता है बल्कि कई बार खांसते वक्त मुंह से खून भी आ जाता है। डॉक्टर्स और एक्सपर्ट का कहना है कि सिर्फ अस्थमा या अधिक धूमपान करने वालों को ही नहीं बल्कि ये खांसी आम लोगों को भी हो रही है। इसका सबसे बड़ा कारण प्रदूषित हवा है। प्रदूषित हवा के चलते गंदे बैक्टिरिया और धूल मिट्टी के कण सांस लेते वक्त मुंह में चले जाते हैं और फिर फ़ेफ़ड़ों में जम जाते हैं। जिसके चलते सूखी खांसी होती है। हार्ट केयर फाउंडेशन (एचसीएफआई) के अध्यक्ष डॉ. के.के. अग्रवाल का कहना है कि सर्दी के महीनों में एलर्जी जनित खांसी अधिक होती है, जब तापमान में गिरावट के कारण प्रदूषक और एलर्जी कारक तत्व वायुमंडल से हट नहीं पाते हैं, जिससे अस्थमा, एलर्जी राइनाइटिस और अन्य एलर्जी रुकाव करते हैं, जिनका दबाव रुकाव जाती है। उन्होंने कहा कि दिल्ली जैसे शहरों में आवादी का अधिकांश हिस्सा ओजोन और नाइट्रोजेन डाइऑक्साइड जैसी प्रदूषक गैसों के कारण एलर्जी जनित खांसी से परेशान होता रहता है। अन्य कारकों में सड़क और निर्माण स्थलों से उठने वाली धूल, पराग कण, धुआं, नमी, और तापमान में अचानक परिवर्तन शामिल हैं। गले में जलन और खुजली हप्तों से महीनों तक बनी रह सकती है और यह तीव्रता में भिन्न हो सकती है। डॉ. के.के. अग्रवाल ने कहा कि मौसमी एलर्जी के कुछ अन्य लक्षणों में नाक बहना, छोंकना, आंखों में पानी और खुजली तथा आंखों के नीचे काले घेरे शामिल हैं। ये काले घेरे या एलर्जिक शाइनर्स नाक की गुहाओं में सूजे हुए ऊतकों और आंखों के नीचे रक्त के जमाव के कारण होते हैं। एलर्जी जनित खांसी आमतौर पर रात में तीव्र हो जाती है।

1

प्रौद्योगिकी

क्रीड़ा और दानाकृष्ण का राजा बुद्धपाता
को करें देवी लक्ष्मी की पूजा

ह। शुक्र ग्रहा म सबस चमकाता ह और प्रम का प्रताक ह। इसके ग्रह के पीड़ित होने पर आपको ग्रह शर्ति हेतु सफेद रंग का घोड़ा दान देना चाहिए। रंगीन वस्त्र, रेशमी कपड़े, धी, सुगंधि, चीनी, खाद्य तेल, चंदन, कपूर का दान शुक्र ग्रह की विपरीत दशा में सुधार लाता ह। शुक्र से सम्बन्धित रत का दान भी लाभप्रद होता है। इन वस्तुओं का दान शुक्रवार के दिन संध्या काल में किसी युवती को देना उत्तम रहता है। शुक्र ग्रह से सम्बन्धित क्षेत्र में आपको परेशानी आ रही है तो इसके लिए आप शुक्रवार के दिन ब्रत रखें। करें ये विशेष उपाय- इस दिन मिठाइयां एवं खीर कौड़ों और गरीबों को दें। ब्राह्मणों एवं गरीबों को धी भात खिलाएं। अपने भोजन में से एक हिस्सा निकालकर गाय को खिलाएं। शुक्र से सम्बन्धित वस्तुओं जैसे सुगंधि, धी और सुगंधित तेल का प्रयोग नहीं करना चाहिए। वस्त्रों के चुनाव में अधिक विचार नहीं करें। शुक्रवार के दिन सफेद गाय को आटा खिलाना चाहिए। काली चीटियों को चीनी खिलानी चाहिए। किसी काने व्यक्ति को सफेद वस्त्र एवं सफेद मिट्टाना का दान करना चाहिए। किसी महत्वपूर्ण कार्य के लिए जाते समय 10 वर्ष से कम आयु की कन्या का चरण स्पर्श करके आशीर्वाद लेना चाहिए। अपने घर में सफेद पथर लगाना चाहिए। किसी कन्या के खिलाफ में उत्तराधार तर अस्त्रा छिपे तो अस्त्रा उत्तराधार उत्तिष्ठाता

100



जुला इस्लामिक और बंगाली कल्चर

आपन सुना हो हागा... एक बड़ा ही खूबसूरत देश है... हम बात कर रहे हैं खूबसूरत बांग्लादेश की। बांग्लादेश की राजधानी ढाका धूमने के लिए बहुत ही अच्छी जगह है। यहां से भारत का कोई सरहदी दुश्मनी का नाता नहीं है न ही गोली लगने का डर, तो आप जा सकते हैं ढाका धूमने के लिए। यहां पर एक्सल्लोग के लिए बहुत कुछ है। नेचुरल ब्यूटी से घिरे ढाका में मिला-जुला इस्लामिक और बंगाली कल्चर आपको देखने को मिलेगा। औद्योगिक और प्रशासनिक केन्द्र-ढाका बांग्लादेश की राजधानी होने के अलावा बांग्लादेश का औद्योगिक और प्रशासनिक केन्द्र भी है। लेकिन ये शहर बड़ी गंगा नदी के तट बसा है इसलिए ये काफी खूबसूरत भी है। ढाका को राजनीतिक गतिविधियों का गढ़ माना जाता है लेकिन यहां की खूबसूरती पर्यटकों को बहुत आकर्षित करती है। ढाका का इतिहास-मुग्ल शासन काल में ढाका को जहांगीर नगर हुआ। जल्द ही कलकत्ता के बाद ढाका बगाना का दूसरा सबसे बड़ा नगर बन गया। बंटवा के बाद ढाका पूर्वी पाकिस्तान की राजधानी बना। 1972 में यह बंगलादेश की राजधानी बना। यहां पुरानी और नई सभ्यताओं के कानून नमूने देखने को मिलते हैं। पर्यटक ढाका क्या आते हैं? यहां राष्ट्रीय स्मारक देखने के लिए देश-विदेश से लोग आते हैं। यह स्मारक ढाका से थोड़ा ही दूर लगभग 35 किलोमीटर दूर साभर में स्थित है। इस स्मारक का डिजाइन मोइनुल हुसैन ने तैयार किया था। यह स्मारक उन लाखों सैनिकों को समर्पित है जिन्होंने बंगलादेश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। ढाका में बना लालबाजार किला काफी विशाल है। इस किले का निर्माण बादशाह औरंगजेब के पुत्र शाहजादा मुहम्मद आजम ने करवाया था। यह किला भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम (1857) का मूर्गा गवाह है। 1857 में जब स्थानीय जनता

हुआ। जल्द ही कलकत्ता के बाद ढाका बगान का दूसरा सबसे बड़ा नगर बन गया। बंटवारे के बाद ढाका पूर्वी पाकिस्तान की राजधानी बना। 1972 में यह बंगलादेश की राजधानी बना। यहां पुरानी और नई सभ्यताओं के कानूनों देखने को मिलते हैं। पर्यटक ढाका का आते हैं? यहां राष्ट्रीय स्मारक देखने के लिए देश-विदेश से लोग आते हैं। यह स्मारक ढाका से थोड़ा ही दूर लगभग 35 किलोमीटर दूर साभर में स्थित है। इस स्मारक का डिजाइन मोइनुल हुसैन ने तैयार किया था। यह स्मारक उन लाखों सैनिकों को समर्पित है जिन्होंने बंगलादेश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। ढाका में बना लालबाजार किला काफी विशाल है। इस किले का निर्माण बादशाह औरंगजेब के पुत्र शाहजादा मुहम्मद आजम ने करवाया था। यह किला भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम (1857) का मूर्त्ति गवाह है। 1857 में जब स्थानीय जनता

अस्पताल में जुट रही मरीजों की भीड़, कोरोना का स्वतंत्र बढ़ा

कैनविज टाइम्स संवाददाता



प्रतिदिन गोरखपुर आना-जाना रहता है।

जिला अस्पताल में मंगलवार को मरीजों की भीड़ देखने को मिला। जांच करने में लोगों का पसंदा छूट रहा है। जांच करने से अस्पताल में भीड़ जुट रही है इससे कोरोना के फैलने की आशंका बढ़ गई है। लेकिन अस्पताल में कोविड नियमों का पालन होता नहीं दिख रहा। न तो दो गज की दूरी अपनाई जा रही है और न ही चेहरे पर मास्क लगाया जा रहा है। जिला अस्पताल की ओपेंडी में मरीजों की भीड़ रोजाना बढ़ती जा रही है। मंगलवार को ओपेंडी में करीब 1,395 मरीज देखे गए। इनमें से सबसे ज्यादा 490 मरीज सर्दी, जुकाम और बुखार के रहे। ऊर्जा, गोरखपुर में कोरोना के मरीज मिलने के बाद खतरा और ज्यादा बढ़ गया है। क्योंकि, यहां के ज्यादातर लोगों को

बाराबंकी कोरोना का खतरा बढ़ाने लगा है। गौतमबुद्धनगर और गोरखपुर में कोरोना के मरीज मिले हैं। जिला अस्पताल में मंगलवार को मरीजों की भीड़ देखने को मिला। जांच करने में लोगों का पसंदा छूट रहा है। जांच करने से अस्पताल में भीड़ जुट रही है इससे कोरोना के फैलने की आशंका बढ़ गई है। लेकिन अस्पताल में कोविड नियमों का पालन होता नहीं दिख रहा। न तो दो गज की दूरी अपनाई जा रही है और न ही चेहरे पर मास्क लगाया जा रहा है। जिला अस्पताल की ओपेंडी में मरीजों की भीड़ रोजाना बढ़ती जा रही है। मंगलवार को ओपेंडी में करीब 1,395 मरीज देखे गए। इनमें से सबसे ज्यादा 490 मरीज सर्दी, जुकाम और बुखार के आरंभ होते हैं। जांच करने के लिए पैथोलॉजी में भी ज्यादा संख्या में लोग पहुंच रहे हैं। लेकिन कहीं पर भी कोविड नियमों का पालन होता दिखाई नहीं दे रहा है। जिससे कोरोना का खतरा और ज्यादा बढ़ता जा रहा है। सीएमएस डॉ. ब्रजेश कुमार का कहना है कि अस्पताल में सबसे

नहीं हो पा रही है। जिसके कारण मरीजों को पर्चा बनवाने में आए दिन दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।

मंगलवार को भी यही स्थिति बनी रही। रामकुमार ने बताया कि सुबह नीं बजे से वे लाइन में लगे हैं और 11 बजे जाकर पर्चों बन सकता। इसी प्रकार महेश का भी दो घंटे बाद पर्चा बन सकता। लोगों ने बताया कि पर्चा बनवाने से लेकर दर्वाजे लेने में ही पूरा दिन निकल गया।

कोरोना को लेकर अलंग जारी कर दिया गया है। इस संबंध में सभी सीएसरी अधिकारी को ट्रिप्पेश जारी किए गए हैं। यदि कोई सदिग्द मिलता है तो इसकी सुवाना तकाल कार्यालय को देने के साथ ही आरटीपीसीआर जांच करने के आदेश दिए गए हैं। बाहर से आने वालों पर भी नजर रखने को कहा गया है।

-डॉ.अवधेश कुमार
यादव, सीएमओ

अस्पताल में नेटवर्क की समस्या दूर

तराई क्षेत्र में आतंक का पर्याय बना सियार, दो मौत

कैनविज टाइम्स संवाददाता



सामुदायिक स्वास्थ्य के द्रष्टव्य रामनगर भिजवाया गया था।

जांच करने के लिए दर्वाजे खोले गए।

गाँव के रहने वाले निसार खान का 12 वर्षीय पुत्र अनस गाँव के निकट एक खेत में था। सियार ने दर्मले से ग्रामीणों में दहशत व्याप्त है। लेकिन वन विभाग चुप्पी सध्ये बैठा है।

जात हो कि बीते 19 नवंबर को पिपरी गाँव के रहने वाले निसार खान का 12 वर्षीय पुत्र अनस गाँव के निकट एक खेत में था। सियार ने दर्मले से ग्रामीणों में दहशत व्याप्त है। लेकिन वन विभाग चुप्पी सध्ये बैठा है।

ग्रामीणों को दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

बुधवार को 50 वर्षीय राजाराम ने भी दर्मले खोले गए।

